हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 34 .9 डिग्री
न्यूनतम 16 .2 डिग्री

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- 2 वार्ड 13 में सफाई अभियान सुबह 8 बजे
- संकट मोचन हनुमान मंदिर में आरती

500-600 मरीज रोजाना आ रहे, जांच के लिए लंबी कतारें

हांफ रही डेंटल कॉलेज की एक्सरे और सीटी स्कैन मशीनें कई माह से बंद पड़ी, कैसे होगा मरीजों का इलाज

सीटी स्कैन मशीन 10 साल पुरानी, अब नई का इंतजार

मरीजों को निजी लैब्स का सहारा, बढ़ रहा आर्थिक बोझ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीजीआईएमएस के डेंटल विभाग की एक्स-रे मशीन हाफने लगी है। बार-बार गर्म होने एवं न चलने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर

सीटी स्कैन कमरा बंद

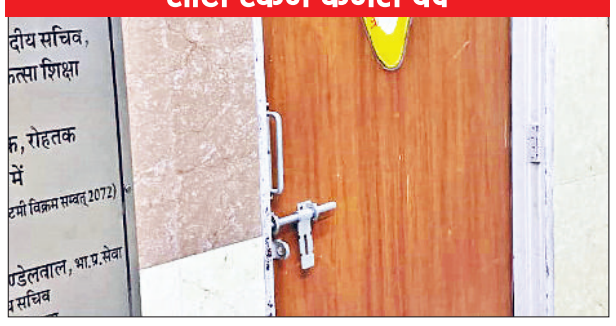

हो चुकी है कि मशीन ज्यादा एक्स-रे करते ही काम करना बंद कर देती है। इससे रोजाना इलाज के लिए आने वाले 500 से 600 मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं। साथ ही सबसे बड़ी परेशानी यह भी हैकि सिटी स्कैन मशीन काफी दिनों से बंद पड़ी है। डेंटल विभाग में आने वाले मरीजों का कहना है कि उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है, लेकिन कई बार बिना जांच के ही लौटना पड़ता है। एक्स-रे जैसी बुनियादी जांच में देरी होने से इलाज भी प्रभावित हो रहा है। खासकर दूर-दराज से आने वाले मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है, जिन्हें बार-बार अस्पताल के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। मरीजों को मजबूरन निजी लैब्स का रुख करना पड़ रहा है, जहां उन्हें महंगे दामों पर जांच करवानी पड़ती है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह अतिरिक्त बोझ बन गया है। मशीन द्वारा काम न करने पर मरीज को अगले दिन आने के लिए कहा जाता है।

जल्द आएंगी नई मशीनें : पीजीआई

पीजीआई प्रशासन ने कहा है कि एक्स-रे और सीटी स्कैन मशीन की समस्या को गंभीरता से लिया गया है। सीटी स्कैन मशीन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि एक्स-रे मशीन को अपग्रेड करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, नई मशीनें आने तक मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी ताकि उन्हें कम से कम परेशानी हो।

मंत्री के दौरे के बाद कई कर्मियों पर गिरी थी गाज

पीजीआई में हाल ही में प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने निरीक्षण किया था। उन्होंने साफ सफाई सही नहीं होने पर गहरी नाराजगी जताई थी। साथ ही ब्लड टेस्ट के लिए अतिरिक्त काउंटर लगाने के आदेश दिए गए थे। उन्होंने जांच रिपोर्ट भी एक दिन में ही मरीजों को मुहैया करवाने के आदेश दिए थे। इस मामले में मंत्री की नाराजगी को देखते हुए कई कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए गए थे।

मनोहर ने किया था उद्घाटन : सिटी स्कैन मशीन का उदघाटन तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने अक्टूबर 2015 में किया था। उस समय मशीन शुरू कर दी गई थी। अब मशीन दस साल पुरानी हो चुकी है और काम करना छोड़ चुकी है। इसलिए विभाग को नई मशीन का इंतजार है।

हम प्रयास कर रहे, परेशानी नहीं आने देंगे

सिटी स्कैन मशीन दस साल पुरानी हो चुकी है। नई मशीन मंगवाने के लिए प्रयासरत हैं। जल्द ही नई मशीन आने की उम्मीद है। इसके अलावा एक्सरे मशीन की क्षमता होती है, उसी के मुताबिक कार्य किया जाता है। मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

-डॉ मन्नू राठी,
प्रिंसिपल, डेंटल कॉलेज

करौंथा के ब्वॉयज सरकारी स्कूल में आज होगा मैट कुश्ती दंगल

रोहतक। बाबा नारायण दास कुश्ती अखाड़ा, करौंथा की ओर से 12 अप्रैल 2026, रविवार को प्रथम विशाल मैट कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता ब्वॉयज सरकारी स्कूल, करौंथा में आयोजित होगी, जिसमें हरियाणा सहित आसपास के क्षेत्रों के पहलवान भाग लेंगे। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में लड़कों और लड़कियों दोनों वर्गों की कुश्तियां अलग-अलग आयु और वजन वर्ग में कराई जाएंगी। लड़कों के लिए अंडर-8 से लेकर अंडर-20 तक तथा लड़कियों के लिए अंडर-11 से सीनियर वर्ग तक मुकाबले होंगे। विजेता खिलाड़ियों को 700 रुपये से लेकर 11 हजार रुपये तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे, जबकि द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

गोहाना रोड स्थित दुकान पर फौजी ने किया हमला, देर शाम दबोचा

नहीं थम रही वारदात, अब दुकानदार को मारी गोली

आरोपी पूर्व सैनिक, लाइसेंसी हथियार से ही दागीं गोलियां

दिन दहाड़े हमला, गोली प्रवीन के गाल को चीरते हुई निकली

पुरानी रंजिश और कहासुनी को लेकर हमले की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गोहाना रोड स्थित सीमेंट स्टोर संचालक पर शनिवार सुबह एक युवक ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिनमें से एक गोली युवक के मुंह में लगी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल को परिजन तत्काल पीजीआईएम में लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार शुरू कर दिया गया। हमलावर सीसीटीवी में कैद हुआ है। जिसकी तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। वहीं देर शाम आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जिसकी पहचान पूर्व फौजी संजय निवासी राजेंद्र नगर के तौर पर हुई। प्रेम नगर निवासी 32 वर्षीय प्रवीन कुमार का गोहाना रोड पर राजलक्ष्मी सीमेंट-सरिया स्टोर है। प्रवीन सुबह 9 बजे स्टोर पर मौजूद था। तभी युवक आया और फायरिंग कर दी। बदमाश ने उसके मुंह पर गोली मार दी। प्रवीन घायल हो गया तो हमलावर ने दो गोली और चलाई और भाग गया।

घायल प्रवीन

रोहतक। मौके पर जांच करतीं एफएसएल टीम की प्रमुख डॉ .सरोज दहिया और आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

एफएसएल इंचार्ज ने साक्ष्य जुटाए

प्रवीन को उनके ताऊ व अन्य परिजनों की मदद से पीजीआईएमएस में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर ओल्ड सब्जी मंडी थाना प्रभारी सुशील कुमार, सुखपुरा चौकी प्रभारी सन्नी सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से सबूत जुटाते हुए खोल बरामद किए हैं। एफएसएल इंचार्ज डॉ सरोज दहिया ने भी मौके का निरीक्षण किया।

प्रवीन पर छह साल पहले भी हो चुकी फायरिंग

सन 2020 में प्रवीन पर जिन्होंने फायरिंग की थी, प्रवीन ने अब संदेह के आधार पर इनको अपनी शिकायत में नामजद किया है। प्रारम्भिक जांच में मामला कुछ दिन पहले आपस में हुई कहासुनी का सामने आया है। आरोपी संजय से पुलिस इस घटना बारे गहनता से पूछताछ कर रही है। पूरी साजिश और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

सुबह करीब 9 बजे वारदात

पुलिस की टीम ने गोहाना रोड पर स्थित स्टोर पर युवक पर हुए जानलेवा हमले की वारदात को चंद घंटों में हल करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रवीन व उसके ताऊ की साझे की गोहाना रोड पर राज लक्ष्मी सीमेंट स्टोर के नाम से दुकान है। सुबह करीब 9 बजे प्रवीन अपने ताऊ के साथ दुकान के काउंटर पर बैठा हुआ था तभी प्रवीन को गोली मारी गई।

हथियार और बाइक बरामद

पुलिस टीम ने वारदात के कुछ घंटों में ही संजय पुत्र सुंदर निवासी धिलौड कला हाल राजेन्द्र नगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक्स सर्विसमैन है। उसने लाइसेंसी हथियार से प्रवीन पर जानलेवा हमला करने की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी से वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी हथियार व मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है।

-सन्नी, जांच प्रभारी
चौकी सुखपुरा

सर्राफा कारोबारी से चांदी की दो चेन लूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांधी कैंप में शनिवार दोपहर को एक सर्राफा कारोबारी से युवक दो चांदी की चेन लूट कर ले गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। आरोपी कैमरे में कैद हुआ है।

जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय एक युवक ग्राहक बनकर सर्राफा कारोबारी विजय कुमार के पास आया। उसने चांदी की चेन देखनी शुरू कर दी। इसके बाद उसने दो चेन ले ली और उसका वजन करवाया। चेन का वजन करीब साढ़े आठ तोला निकला। इसके बाद बदमाश ने जेब से पत्थर निकाल कर सर्राफा कारोबारी को

रोहतक। आरोपी कैमरे में कैद।

सीने पर फेंक कर मारा और चेन लेकर फरार हो गया। दुकानदार ने शोर मचाया लेकिन किसी ने कोई मदद नहीं की।

426 पटवारी ट्रेनिंग में फेल, 21-22 अप्रैल को देंगे री-अपीयर एग्जाम

2522 पटवारियों को दी जा रही थी ट्रेनिंग, परिणाम से जिला आबंटन में हो सकती है देरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राजस्व विभाग को मजबूती देने की दिशा में चल रही पटवारियों की ट्रेनिंग प्रक्रिया को उस समय झटका लगा, जब प्रशिक्षण परीक्षा में लगभग 426 अभ्यर्थी असफल हो गए। अब इन अभ्यर्थियों को 21 और 22 अप्रैल को दोबारा परीक्षा (री-अपीयर) का मौका दिया जाएगा। इस घटनाक्रम से नए पटवारियों की ज्वाइनिंग प्रक्रिया में कुछ दिनों की देरी होना तय माना जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा लगभग 2522 चयनित पटवारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। यह प्रशिक्षण राजस्व कार्यों की समझ, रिकॉर्ड प्रबंधन, डिजिटल सिस्टम और फील्ड कार्य से जुड़ी बारीकियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के अंत में आयोजित परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के असफल होने से प्रशासनिक स्तर पर भी चिंता बढ़ गई है। ध्यान रहे कि गत 1 अप्रैल को रिजल्ट जारी किया गया था। ध्यान रहे कि हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बयान दिया था कि जल्द ही प्रदेश को नए पटवारी मिल जाएंगे, जिससे राजस्व विभाग का कामकाज अधिक चुस्त-दुरुस्त और पारदर्शी होगा। लेकिन परीक्षा परिणाम ने इस प्रक्रिया की गति को कुछ हद तक धीमा कर दिया है। अब फेल हुए अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी।

कल से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू

रोहतक। शहर में बढ़ते अतिक्रमण से परेशान लोगों को राहत देने के लिए नगर निगम ने सोमवार से विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत किला रोड, रेलवे रोड, डीपार्क सहित अन्य प्रमुख बाजारों में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लगातार अतिक्रमण को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। फुटपाथों और सड़कों पर दुकानदारों द्वारा सामान फैलाने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार चेतावनी देने के बावजूद भी दुकानदार नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते अब सख्त कदम उठाने का फैसला लिया गया है। अभियान के तहत निगम की टीम मौके पर पहुंचकर सड़कों और फुटपाथों से अवैध कब्जे हटाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस बार अभियान को पूरी सख्ती से लागू किया जाएगा।

- किला रोड, रेलवे रोड व डी-पार्क समेत कई बाजारों में होगी कार्रवाई

फायर कर्मचारियों का संयुक्त आंदोलन तेज

रोहतक। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा ने हरियाणा अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में बड़ा ऐलान करते हुए राज्यव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की है। शनिवार को कर्मचारी भवन, रोहतक में आयोजित संयुक्त राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने की, जिसमें नगर पालिकाओं, परिषदों, नगर निगमों और अग्निशमन विभाग के सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि 16 अप्रैल को सुबह 3 घंटे का काम बंद किया जाएगा। इसके अलावा 20 व 21 अप्रैल को कर्मचारी काले बिल्ले लगाकर विरोध दर्ज करेंगे, 24 व 25 अप्रैल को सभी शहरों में 'उल्टा झाड़ू' प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं 27 व 28 अप्रैल को क्रमिक भूख हड़ताल और 1 व 2 मई को दो दिवसीय राज्यस्तरीय हड़ताल का भी ऐलान किया गया है। हड़ताल को 12 व 13 अप्रैल तक बढ़ाने का भी फैसला लिया।

- 16 अप्रैल को 3 घंटे काम बंद का ऐलान

बंदर को पंजाब भेजा , कॉरिडोर में रखे गए विभिन्न प्रजाति के पक्षी

तिलियार लेक में अब नहीं दिखेंगे मोर्मोसेट बंदर और सर्प, बदल गई प्रदर्शनी व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

तिलियार लेक पर आने वाले पर्यटकों के लिए अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यहां पहले आकर्षण का केंद्र रहे मोर्मोसेट बंदर और विभिन्न प्रजाति के सर्प अब पर्यटकों के दर्शन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मोर्मोसेट बंदर को किन्हीं कारणों के चलते पंजाब की एक झील क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। वहीं सर्पों को भी यहां से हटाया गया है। इन जानवरों को हटाने के पीछे विभागीय कारणों और प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं को प्रमुख माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में अधिकारियों की ओर से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की

रोहतक। इस कारिडोर में मोर्मोसेट बंदर को रखा गया था।

गई है। गौरतलब है कि मोर्मोसेट बंदर के लिए तिलियार लेक में विशेष रूप से एक अलग कॉरिडोर तैयार किया गया था, जिससे पर्यटक सुरक्षित दूरी से इन्हें देख सकें। यह कॉरिडोर बच्चों और परिवारों के बीच खासा लोकप्रिय भी रहा। लेकिन अब इस कॉरिडोर की उपयोगिता बदल दी गई है। वर्तमान में इस कॉरिडोर में विभिन्न प्रजातियों के मुर्गों और अन्य पक्षियों को शिफ्ट किया गया है। इन पक्षियों को व्यवस्थित तरीके से रखा गया है ताकि पर्यटक उन्हें करीब से देख सकें और उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। हालांकि कुछ पर्यटक इस बदलाव से निराश भी नजर आ रहे हैं, क्योंकि मोर्मोसेट बंदर और सर्प यहां के प्रमुख आकर्षण माने जाते थे।

जीव-जंतुओं को भी जल्द लाया जाएगा

किसी कारणवश उनको भेजा गया है। यहीं, नहीं अन्य प्रजापति के जीव जंतुओं को भी जल्द लाया जाएगा। अलग से बाड़े बनाया जा रहा है। जाल और शीशे भी लगाए जा रहे है। कारीडोर में अन्य पक्षियों को रखा गया है। जिन्हें रोजाना पर्यटक देखने आ रहे है।

-राजेशकुमार, इंस्पेक्टर
तिलियार जू

ज्यादातर पर्यटक इन्हीं को आते हैं देखने

प्रशासन को इस तरह के बदलावों की जानकारी पहले से सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि पर्यटक उसी अनुसार अपनी योजना बना सकें। वहीं कुछ लोग इसे बेहतर प्रबंधन की दिशा में उठाया गया कदम भी मान रहे हैं। जिससे पार्क में नई विविधता देखने को मिलेगी। तिलियार लेक रोहतक का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां हर दिन बड़ी संख्या में लोग घूमने और प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते हैं। ऐसे में यहां होने वाले बदलाव सीधे तौर पर पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करते हैं।

एग्रो मॉल के किसानों ने दुकानें सरेंडर कर राशि वापस ली

70 से अधिक किसानों को दिए 33 करोड़ रुपये से ज्यादा के चेक

- मनीष ग्रोवर बोले, पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने किसानों को धोखा दिया
- नायब सैनी ने दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता एवं शहरी निकाय मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा है कि बतौर मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने 10 साल के कार्यकाल में किसानों को झूठे सपने दिखाकर उनके साथ धोखा किया, लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों को उचित मान सम्मान देते हुए उनके हित में बड़े फैसले लेकर उन्हें अनेक राहत देने का काम किया है। पूर्व मंत्री ग्रोवर शनिवार को सेक्टर 14 के पास स्थित एग्रो मॉल में आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम में मौजूद किसानों को संबोधित कर रहे थे। एग्रो मॉल के किसानों ने दुकानें सरेंडर करके राशि वापस लेने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में ग्रोवर ने करीब 73 किसानों को 33 करोड़ से ज्यादा रुपए के चेक वितरित किए। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा है कि किसानों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर एग्रो माल बनाया और किसानों ने अपनी मेहनत की पूंजी एग्रो मॉल में लगाई। लेकिन जिस उम्मीद के साथ किसानों ने अपनी पूंजी इन्वेस्ट की थी, मगर कांग्रेस सरकार ने उनके साथ धोखा करने का काम किया। पीड़ित किसानों की मांग पर मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अमल करते हुए 7% ब्याज के साथ उन्हें राशि लौटाने का फैसला किया। ग्रोवर ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासन में किसानों की उपजाऊ जमीन प्राइवेट बिल्डर को देने का काम किया। आज भाजपा सरकार में किसानों को जहां नई तकनीक से जोड़ा जा रहा है वही उनके खातों में सीधी राशि भी आ रही है। किसानों के लिए शुगर मिल हो या फिर अनाज मंडिया, हर जगह पार्क व सस्ती कैंटीन की सौगात देने का काम किया है। जल भराव से होने वाले नुकसान की राशि भी सरकार ने 10 हजार रुपए प्रति एकड़ से ज्यादा बढ़ाई है जबकि कांग्रेस के समय तो किसानों को मात्र दो-दो रुपए के चेक मिलते थे। आज फसलों का डाटा ऑनलाइन करके पारदर्शिता लाई जा रही है ताकि किसानों को बाजार में पूरी प्राथमिकता मिले।

रोहतक। एग्रो मॉल के दुकानदारों को चेक वितरित करते पूर्व सहकारिता व शहरी निकाय मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल और मार्केट कमेटी के चेयरमैन अशोक चौधरी व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

किसान बोले, बड़े सपने दिखाए गए थे

एग्रो मॉल में आए किसानों ने बताया कि उन्होंने करीब 13 साल पहले दुकान की कुल राशि का 25 प्रतिशत हिस्सा जमा करवाया था। उन्हें उस समय बताया गया था कि यहां बड़ा सिनेमा हॉल खोला जाएगा। इसके अलावा यहां बड़ा बाजार बनेगा, जिससे दुकानदारों को मुनाफा होगा, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा। उनके रुपये विभाग के पास रहे और अब जाकर सरकार ने वापस दिलवाए हैं। उन्होंने जो सपने देखे थे वह पूरे नहीं हो सके।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन सतीश गोयल, कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष हरीश कौशिक, रोहतक ब्लॉक समिति के अध्यक्ष खुशीराम हुड्डा, कलानौर ब्लॉक समिति अध्यक्ष नीरज सहित कई अधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेरा शहर मेरी समस्या — खोखराकोट और सलारा मोहल्ला

सालों पुरानी समस्या का नहीं निकला स्थायी समाधान

जल संकट गहराया, टैंकर भी नहीं बुझा पा रहे प्यास, गर्मियों में हालात होंगे और खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के खोखराकोट और सलारा मोहल्ला में पिछले लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। हालात यह हैं कि स्थानीय लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी के लिए जूझ रहे हैं। विभाग द्वारा पानी के टैंकर तो भेजे जा रहे हैं, लेकिन एक टैंकर पांच से छह परिवारों के लिए ही पर्याप्त हो पा रहा है, जिससे अधिकांश लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं। समाजसेवी व व्यापारी सतीश प्रजापति का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं, बल्कि कई वर्षों से चली आ रही है। हर साल गर्मियों में हालात और भी खराब हो जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूरी में लोगों को दूर-दराज से पानी भरकर लाना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पानी की आपूर्ति के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें इस परेशानी से छुटकारा मिल सके। लोगों का कहना है कि केवल टैंकर भेजना समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि पाइपलाइन और जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करना बेहद जरूरी है।

धरने-प्रदर्शन के बाद भी समाधान नहीं

स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी की इस समस्या को लेकर कई बार धरने-प्रदर्शन भी किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। हर बार गर्मियों में समस्या बढ़ जाती है और प्रशासन अस्थायी उपायों तक ही सीमित रह जाता है। हमें दूसरे मोहल्लों में जाकर पानी भरना पड़ता है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के साथ यह काम बहुत मुश्किल हो जाता है।

दूसरे मोहल्लों से ला रहे पानी

हमें दूसरे मोहल्लों में जाकर पानी भरना पड़ता है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के साथ यह काम बहुत मुश्किल हो जाता है। सरकार और प्रशासन को इस समस्या का जल्द समाधान करना चाहिए।
-धर्मेंद्र प्रजापति

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप्प। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

कई सालों से परेशान

पानी की समस्या से हम कई सालों से परेशान हैं। टैंकर आता भी है तो सभी को पूरा पानी नहीं मिल पाता। कई बार तो हमें खाली बर्तन लेकर ही लौटना पड़ता है। बाइकों पर लोगों को पानी ढोना पड़ रहा है।
-सतीश प्रजापति

पानी जुटाना बनी चुनौती

घर के कामकाज के लिए पानी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। सुबह से ही पानी के इंतजार में बैठे रहते हैं। अगर टैंकर समय पर न आए तो पूरा दिन प्रभावित हो जाता है। बहुत बार पानी के टैंकर को लेकर फोन करने पड़ते है फिर भी पानी नहीं आता।
-प्रवीन कुमार

स्थायी समाधान नहीं

गर्मियों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। कई बार हमने प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन भी किए, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। हर बार केवल आश्वासन ही दिया जाता है।
-पूर्ण सिंह

बुजुर्गों के साथ समय बिताएं, उनके अनुभवों से सीख लें युवा : नांदल

- चलो गांव की ओर अभियान के तहत भैंसरु कलां में सतीश नांदल ने सुनी ग्रामीणों की बात

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

भारतीय जनता पार्टी के "चलो गांव की ओर" अभियान के तहत गांव भैंसरु कलां में बुजुर्गों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। ग्राम सचिवालय पहुंचने पर ग्राम पंचायत की ओर से उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान करीब दो दर्जन बुजुर्गों को सम्मानित कर उनका आशीर्वाद लिया गया।

इस अवसर पर सतीश नांदल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। उन्होंने कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बुजुर्गों के अनुभव को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वह समाज तेजी से आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बुजुर्गों के साथ समय बिताएं और उनके अनुभवों से सीख लें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने अपनी कुछ समस्याएं भी उनके समक्ष रखीं। मौके पर सरपंच प्रतिनिधि ऋषिराम पहलवान, अशोक कौशिक, बालकिशन पहलवान, शिवकुमार थानेदार, रामकुमार कौशिक, रमेश, रामावतार नंबरदार, विकास कौशिक, विशाल, सत्यनारायण मास्टर आदि रहे।

गवर्नमेंट कॉलेज मोखरा में पूर्व मंत्री ग्रोवर ने छात्राओं को बांटी डिग्रियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय, मोखरा में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह एवं दीक्षांत समारोह तथा पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. मीनू नैन ने अपने अभिभाषण से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। अंतर राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं अर्जुन अवार्डी दीपक निवास हुडडा समारोह के विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने छात्राओं को डिग्रियां बांटी व प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। मुख्य अतिथि मनीष ग्रोवर तथा दीपक निवास हुडडा ने अपने अभिभाषण के द्वारा महाविद्यालय में पढने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया दीपक निवास हुडडा ने कॉलेज काउंसिल को इक्कीस हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी। मोखरा खेड़ी के सरपंच चाँद सिंह ने परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को एक हजार तथा द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं को पांच सौ रूपये का नकद राशि पुरस्कार दिया।

- छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा लोगों का मन

महम। छात्राओं को डिग्रियां बांटते पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और साथ मौजूद अन्य अतिथि व कॉलेज स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

महात्मा ज्योतिबा फुले व डॉ. आंबेडकर को जयंती पर प्रेरणादायक सभा में अर्पित की श्रद्धांजलि

रोहतक। मेडिकल सर्विस सेंटर द्वारा महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों महान विभूतियों के जीवन, संघर्ष और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए किया गया। सभा में वक्ताओं ने बताया कि महात्मा फुले ने शिक्षा को समाज में समानता और जागरूकता का सबसे सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने वंचित वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। वहीं, डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से हर नागरिक को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति में वर्तमान समय की सामाजिक चुनौतियों पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में भटकाव, गलत जानकारी और सतही चर्चाएं समाज को वास्तविक मुद्दों से दूर कर रही हैं। इसे समझाने के लिए "बाइट द बुलेट" का उदाहरण देते हुए बताया गया कि जैसे पहले सर्जरी के दौरान दर्द से ध्यान हटाने के लिए यह तरीका अपनाया जाता था, उसी प्रकार आज भी कई बार लोगों का ध्यान असली समस्याओं से हटाकर भेदभाव और भ्रम की ओर मोड़ दिया जाता है।

बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर 14 को आंबेडकर भवन में होगा समारोह

रोहतक। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर 14 अप्रैल को रोहतक के अंबेडकर भवन, नेहरू कॉलोनी में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हरियाणा दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक अंबेडकर भवन में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता संगठन के प्रदेश प्रधान डॉ. अनिल मेहरा ने की। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 14 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे इस ऐतिहासिक अवसर पर भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रदेश महासचिव किशन मुंडे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा शिरकत करेंगे, जबकि अध्यक्षता विधायक भारत भूषण बत्तरा करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व मंत्री गीता भुक्कल, विधायक शकुंतला खटक, विधायक इंदु राज नरवाल और विधायक बलराम दांगी शामिल रहेंगे।

- सांसद दीपेंद्र हुड्डा व कांग्रेस विधायक रहेंगे मुख्यातिथि

फूले ने असमानता को किया खत्म : माडू

- समाज की रूढ़िवादी सोच को तोड़ने का काम किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर शहर में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर महात्मा ज्योतिबा फुले विचार मंच के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। मंच के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र माडू ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए शिक्षा को परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और सम्मान के लिए समाज में फैली रूढ़िवादी सोच को तोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया।

रोहतक। महात्मा ज्योतिबा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते मंच के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र माडू व अन्य सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गणमान्यों ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

छात्र नेता दिनेश कांगड़ा, महाराजा शूरसैनी मंडल के अध्यक्ष मनोज मालवीय, मनीष वेद वाल्मीकि, गौतम सैनी महाराज, कृष्ण मुरारी, गौरव सैनी, संदीप टांक, जोगेंद्र पंवार, सुनील सैनी, सूरजभान टांक, अजय बेदी, कृष्ण प्रधान, शत्रुंजय कोच, पंकज कोहट, आशीष चांवरिया, अशोक सैनी, राम कार्तिक सैनी, अमनदीप, शमशेर सैनी और सौरभ रेड्डी आदि ने श्रद्धांजलि दी।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाया: केडी

रोहतक। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिला शक्ति की मिसाल पेश करने वाली महान क्रांतिकारी कस्तूरबा गांधी की जयंती पर स्थानीय कांग्रेस भवन में पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर विधायक भारतभूषण बत्तरा, जिलाध्यक्ष (शहरी) कुलदीप केडी व जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) बलवान रंगा ने दोनों महान विभूतियों के जीवन पर विस्तार से अपने विचार रखे और कहां फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने और शिक्षा का अलख जगाने का कार्य किया तो कस्तूरबा गांधी ने अपना सम्पूर्ण जीवन स्वतंत्रता आंदोलन में झोंक दिया, उनका जीवन देश के लिए हमारी आने वाले पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मौके पर जिला उपाध्यक्ष अमर नाथ अरोड़ा, जिला उपाध्यक्ष कदम सिंह अहलावत, जिला महासचिव पंकज सचदेवा, राजबहादुर संगठन महामंत्री ग्रामीण राजबीर बनियानी अनसुचित मोर्चा के चेयरमैन ताराचंद बागड़ी, जिला महासचिव चरणजीत शर्मा, अड़ीचब्द, राजीव अत्री, महिला जिला अध्यक्ष शहरी निर्मल बल्हारा, महिला जिला अध्यक्ष ग्रामीण राजबाला हुड्डा, घनपति आदि मौजूद रहे।

- जिला कांग्रेस कमेटी ने समाज सुधारकों को किया नमन

उपायुक्त ने गांधी कैंप स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

रोहतक। गांधी कैंप स्थित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण करते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने शनिवार को गांधी कैंप स्थित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेंटर में आने वाली महिलाओं को दी जा रही सहायता सेवाओं, सुरक्षा प्रबंधों और स्टाफ की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने हिंसा पीड़ित महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी लेते हुए बताया कि गत वर्ष सेंटर में 367 केस दर्ज किए गए तथा 44 महिलाओं को आश्रय प्रदान किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि पीड़ित महिलाओं को त्वरित और प्रभावी सहायता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए यहां सेवाओं की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण और हेल्पलाइन सेवाओं की भी जांच की तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौके पर सेंटर की प्रभारी कर्मिंद्र कौर, कानूनी काउंसलर प्रवीन कुमार, कार्यालय सहायक सीमा, पूनम, अजय सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मीडिया से हरियाणा में फैली अंगदान की अलख : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने कहा है कि मीडिया के सहयोग से आज पूरे हरियाणा में अंगदान को लेकर जागरूकता फैल गई है। भिवानी जिले के 37 वर्षीय युवक के परिजनों द्वारा किए गए महादान को जिस संवेदनशीलता और प्रमुखता से आम जनता तक पहुंचाया, उससे प्रदेश में मानवता का एक नया संदेश गया है। इसके लिए स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन सहित पूरा संस्थान प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के सभी साथियों का आभारी है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि अंगदान सबसे बड़ा दान है। एक व्यक्ति के जाने के बाद भी उसके अंग 7 से 8 लोगों को नई जिंदगी दे सकते हैं। यह केवल शरीर का दान नहीं, बल्कि किसी के घर का चिराग दोबारा जलाने का माध्यम है। डॉ एच के अग्रवाल ने कहा कि वें सभी प्रदेशवासियों से आह्वान करते हैं कि वे अंगदान के लिए आगे आएं और इस पुण्य कार्य का संकल्प लें। आपकी एक पहल किसी परिवार की अंधेरी दुनिया में रोशनी भर सकती है। अंगदान के इच्छुक व्यक्ति पीजीआईएमएस स्थित सोटो के 17 नंबर कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। कुलपति डॉ अग्रवाल ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है और अंगदान जैसे संवेदनशील विषय पर मीडिया की सकारात्मक भूमिका से ही यह मुहिम जन-आंदोलन बन सकती है।

- मृत्यु के बाद व्यक्ति के अंग 7 से 8 लोगों को दे सकते हैं नई जिंदगी

सशक्तिकरण पर जोर — मोदी के नेतृत्व में यह अधिनियम सामाजिक परिवर्तन का मजबूत आधार

लोकसभा-विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' से महिलाएं बनेंगी नीति निर्माता : प्रतिभा सुमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन प्रतिभा सुमन ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है, जो महिलाओं को 'नीति की लाभार्थी' से 'नीति की निर्माता' बनने की दिशा में सशक्त करेगा। वह शनिवार को कैनाल रेस्ट हाउस, प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान पूर्व मेयर एवं प्रदेश सचिव रेनू डावला, एडवोकेट अनिता बुधवार और जिला उपाध्यक्ष वीना सिक्का सहित अन्य महिला पदाधिकारी भी मौजूद रहीं। प्रतिभा सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम केवल संवैधानिक संशोधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का मजबूत आधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण अब केवल समानता या प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी देना

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं हरियाणा महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन प्रतिभा सुमन। फोटो : हरिभूमि

नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं आत्मनिर्भर बना रही

अंत में उन्होंने कहा कि भाजपा का दृष्टिकोण 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' का है। 'लखपति दीदी' और 'नमो ड्रोन दीदी' जैसी योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अधिनियम 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समय की मांग है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 32.29 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, जिससे वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली। मुद्रा योजना के अंतर्गत लगभग 68-69 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए, जबकि स्टैंड-अप इंडिया योजना के 84 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। ग्रामीण क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 72 प्रतिशत घरों का स्वामित्व महिलाओं को मिलने से उन्हें सामाजिक सम्मान और सुरक्षा प्राप्त हुई है। वहीं 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के चलते माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन बढ़कर 80.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी जरूरी

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश में करीब 14.5 लाख निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं, जो कुल संख्या का लगभग 46 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर महिलाओं ने पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर प्रभावी नेतृत्व दिया है और अब यही प्रभाव संसद व विधानसभाओं में भी देखने को मिलेगा। प्रतिभा सुमन ने बताया कि वर्ष 1952 में लोकसभा में केवल 22 महिलाएं थीं, जो 2024 में बढ़कर 75 हो गई हैं। राज्यसभा में भी महिलाओं की भागीदारी 17 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। हालांकि यह प्रगति सराहनीय है, लेकिन 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा मिलेगी।

खबर संक्षेप

बायोमेट्रिक गेट पास के लिए हेल्पलाइन जारी

रोहतक। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने बायोमेट्रिक गेट पास प्रणाली से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। अब किसान घर बैठे ही अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे, जिससे मंडियों में होने वाली परेशानी और समय की बर्बादी को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। विभाग द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 79731-60961, 79731-60956 और 79731-60984 हैं। किसान इन नंबरों पर सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक कॉल कर सकते हैं और बायोमेट्रिक गेट पास से संबंधित किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी दिक्कतों के लिए सहायता प्राप्त कर सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य किसानों को पारदर्शी और सरल व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि फसल बेचने की प्रक्रिया सुगम हो सके। मालूम रहे कि राज्य सरकार ने मंडियों में ,खरीद-फरोख्त प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इस बार बायोमेट्रिक गेट पास प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली के तहत किसानों को अपनी पहचान सत्यापित कर गेट पास लेना अनिवार्य होता है, जिसके बाद ही वे अपनी फसल मंडी में लेकर प्रवेश कर सकते हैं। किसानों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन जारी की गई है।

हाईवे रहा बंद सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

नई खरीद प्रक्रिया का विरोध, आठ किसान संगठनों ने 4 घंटे रोका मकड़ौली टोल प्लाजा

किसानों ने दी चेतावनी, समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज होगा

सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला किसानों का प्रदर्शन चमारिया और मकड़ौली समेत अन्य रास्तों से निकाले वाहन

किसानों का आरोप, मंडियों में तकनीकी खामियों के कारण उठानी पड़ रही भारी दिक्कतें, नए नियम किसान विरोधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। मकड़ौली टोल प्लाजा पर प्रदर्शन के दौरान मौजूद किसान। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। मकड़ौली टोल प्लाजा पर किसानों को सम्बोधित करते एसडीएम महम। फोटो : हरिभूमि

गेहूं खरीद को लेकर लागू की गई नई प्रक्रिया के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने शनिवार को रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित मकड़ौली टोल प्लाजा पर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने करीब चार घंटे तक रास्ता जाम रखा और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला, जिसके चलते हाईवे पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। इस दौरान चालकों ने अपने वाहन चमारिया और मकड़ौली समेत दूसरे रास्तों से निकाले। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा गेहूं खरीद के लिए बनाए गए नए नियम किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। इनमें ट्रैक्टर की नंबर प्लेट और फोटो अनिवार्य करना, मंडी गेट पर बायोमेट्रिक सत्यापन, गेट पास के लिए पंजीकृत किसान की उपस्थिति, फसल पंजीकरण और बिक्री के लिए समय सीमा तय करना जैसे प्रावधान शामिल हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने कभी भी इन नियमों की मांग नहीं की, बल्कि यह प्रक्रियाएं उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान कर रही हैं। प्रमुख रूप से अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन (रोहतक), भारतीय किसान यूनियन (टिकैत), भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी), किसान मजदूर यूनियन, किसानी प्रतिष्ठा मंच, हुड्डा खाप और कुंडू खाप सहित कई संगठनों की भागीदारी रही। इस मौके पर प्रीत सिंह, रणधीर धामड़, ओमप्रकाश हुड्डा, जगबीर कुंडू, राजू मकड़ौली, बलबीर गिरावड़, सुशीला, मुकेश खासा, मोनिका नैन, अशोक दुहन सहित अनेक किसान नेताओं ने संबोधित किया। प्रदर्शन के दौरान एसडीएम महम और एडीसी रोहतक मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। हालांकि, कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया। यह विरोध प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किया गया, जिसमें विभिन्न किसान संगठनों और खाप प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बायोमेट्रिक मशीनें नहीं कर रही काम

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया कि मंडियों में तकनीकी खामियों के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहीं बायोमेट्रिक मशीनें काम नहीं कर रही हैं, तो कहीं सर्वर डाउन रहता है। कई किसानों का पंजीकरण नहीं मिल रहा, वहीं फसल में नमी का हवाला देकर खरीद में देरी की जा रही है। इससे किसानों को बार-बार मंडियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं और समय व संसाधनों की बर्बादी हो रही है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में मंत्रियों और मुख्यमंत्री का विरोध किया जाएगा। इस दौरान किसान नेताओं ने यह भी बताया कि इस समय खेतों में गेहूं की कटाई का काम तेज गति से चल रहा है। किसान दिन-रात मेहनत कर फसल तैयार कर रहे हैं और ऐसे में नई शर्तें उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन रही हैं। किसान चाहते हैं कि वे जल्द से जल्द अपनी उपज मंडी में बेचकर अन्य कार्यों में लग सकें, लेकिन नई प्रक्रिया इसमें बाधा बन रही है।

रोहतक। मकड़ौली टोल प्लाजा पर तैनात पुलिस बल। फोटो : हरिभूमि

मंडियों में 5 लाख क्विंटल गेहूं को खरीद का इंतजार

रोहतक। जिले की अनाज मंडियों में इस समय गेहूं खरीद की रफ्तार उम्मीद से काफी धीमी नजर आ रही है। आंकड़ों के अनुसार अब तक केवल 1,02,264 क्विंटल गेहूं की खरीद हो पाई है, जबकि करीब 5,00,759 क्विंटल गेहूं अभी भी मंडियों में बिकने का इंतजार कर रहा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है, क्योंकि फसल मंडियों में पहुंच चुकी है लेकिन खरीद प्रक्रिया सुस्त बनी हुई है। शनिवार को विभिन्न खरीद केंद्रों पर किसानों की आवाजाही जरूर बढ़ी, लेकिन खरीद की गति उस अनुपात में नहीं बढ़ सकी। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रोहतक मंडी में 1019 किसानों, कलानौर में 295, लाखनमाजरा में 278, किलोई में 353, सांघी में 489, मदीना में 216 और खरक कलां परचेज सेंटर पर 217 किसानों के बायोमेट्रिक गेट पास जारी किए गए। कुल मिलाकर जिलेभर में 2867 किसानों को गेहूं बेचने के लिए पास दिए गए।

बायोमेट्रिक गेट पास व्यवस्था को पारदर्शिता और सुगमता के लिए लागू किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों का कहना है कि पास बनने में देरी हो रही है, जिससे उन्हें मंडियों में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, कुछ किसानों ने तकनीकी खामियों और सर्वर की धीमी गति को भी परेशानी का कारण बताया। मंडी में पड़े गेहूं के ढेर अब धीरे-धीरे चिंता का पहाड़ बनते जा रहे हैं।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते डॉ. सुफला सक्सेना। फोटो : हरिभूमि

स्वस्थ पेट सेहतमंद बचपन की नींव : डॉ. सुफला सक्सेना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो बच्चे का विकास हो सकता है बाधित

आजकल के बच्चों में पेट की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। बच्चों के स्वस्थ शारीरिक विकास के लिए पेट (गट) का स्वस्थ होना बहुत जरूरी होता है। पेट में बार-बार दर्द होना, लंबे समय तक कब्ज बने रहना, उल्टी होना, वजन बहुत धीरे-धीरे बढ़ना, या फिर खाने में दिक्कत जैसे लक्षण गैस्ट्रोइंटेस्टाईनल या लिवर की बीमारियों की ओर इशारा करते हैं। अगर इन्हें समय रहते न संभाला जाए, तो यह बच्चे के पोषण और विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

दुनिया में बड़ी संख्या में बच्चे गैस्ट्रोएसोफेजियल रिफ्लक्स डिजीज, इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज और क्रॉनिक कब्ज से पीड़ित हैं। ये समस्याएं धीरे-धीरे बढ़ती हैं और शुरुआती समय में इनके कोई भी बड़े लक्षण प्रकट नहीं होते हैं। लेकिन अगर इन पर ध्यान न दिया जाए, तो बच्चों का न्यूट्रिशन, इम्युनिटी और शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है। डॉ. सुफला सक्सेना, हेड-पीडियाट्रिक्स एंड पेड्स गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली ने कहा बच्चों का पेट स्वस्थ रखने की शुरुआत न्यूट्रिशन से भरपूर खाने, पर्याप्त पानी, नियमित कसरत और खाने की हाईजीन बनाए रखने से होती है। अगर बच्चों में कोई भी लक्षण अधिक समय तक दिखाई दे या फिर बार-बार वापस आए, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। समय पर मेडिकल परामर्श समस्याओं को तुरंत पहचानने और इलाज करने में मददगार होता है। सही देखभाल द्वारा बच्चों की पेट की ज्यादातर समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे उनके स्वस्थ विकास में मदद मिलती है।

स्पोर्टेक 2026: खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूआईईटी में आयोजित वार्षिक खेल समारोह स्पोर्टेक 2026 का दूसरा दिन शनिवार उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहा। राठी आई हॉस्पिटल के प्रायोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में करीब 500 खिलाड़ियों ने भाग लेकर विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इनडोर और आउटडोर दोनों तरह की प्रतियोगिताओं में छात्रों के साथ-साथ शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की सक्रिय भागीदारी ने माहौल को जीवंत बना दिया। टेबल टेनिस में लड़कों के वर्ग में कुशल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आर्यन दूसरे और हिमांशु तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों में वंदना ने बाजी मारी। बास्केटबॉल में बालक वर्ग में सीएसई टीम विजेता और सिविल टीम उपविजेता रही, वहीं बालिका वर्ग में बायोटेक टीम ने खिताब अपने नाम किया। यश और मानसी को फाइनल का एमवीपी चुना गया।

रोहतक। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

मैराथन में देव कुमार रहे पहले स्थान पर

मैराथन में देव कुमार पहले, ललित कुमार मीणा दूसरे और सुधीर सिंह तीसरे स्थान पर रहे। क्रिकेट में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में सीएसई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की, जबकि पुरुष वर्ग में सिविल और महिला वर्ग में एआईएमएल टीम उपविजेता रही। कैरम में अनमोल ने पहला, सानू कुमार ने दूसरा और विजेता ने तीसरा स्थान हासिल किया। शतरंज प्रतियोगिता में 50 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 12 महिला खिलाड़ी शामिल रहीं। यह प्रतियोगिता स्विस सिस्टम के तहत 6 राउंड में संपन्न हुई। यूआईईटी प्रशासन ने प्रायोजक संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

हरित खाद को बढ़ावा देने के लिए मिलेगा 1000 रुपये अनुदान

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि खरीफ 2026 के दौरान जिला में भूमि की उर्वरता बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से हरित खाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत ढैंचा, जन्तर, मूंग जैसी फसलों का प्रयोग कर किसान प्राकृतिक रूप से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जिला में 20 हजार एकड़ में हरी खाद उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इच्छुक किसान 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर 15 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना के तहत किसानों को 1000 रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जाएगा। पंजीकरण के बाद किसानों को खुले बाजार से बीज खरीदकर बुवाई करनी होगी।

न्यूज डायरी

बॉक्सिंग में करुणा सहारावत ने जीता कांस्य पदक

रोहतक। दुहन पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा करुणा सहारावत ने चौथी सब-जूनियर राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 28 से 31 मार्च 2026 तक छोटू राम स्टेडियम में आयोजित हुई, जिसमें प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कक्षा 9 की छात्रा करुणा ने 55 से 58 किलोग्राम भार वर्ग में अपने खेल कौशल और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि ने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। करुणा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच नवीन धांडा को दिया, जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। विद्यालय के निदेशक डॉ. अशोक दुहान ने करुणा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि करुणा का यह प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है।

शिक्षा भारती स्कूल में शिक्षकों को मिला कौशल विकास का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वावधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में आचार्य दक्षता वर्ग का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के सर्वांगीण विकास, कौशल वृद्धि एवं व्यक्तित्व निखार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण और योग सत्र से हुई, जिसके बाद शारीरिक गतिविधियां आयोजित की गईं। अल्पाहार के उपरांत गीत, वंदना, पंचांग, विचार, हिंदी व अंग्रेजी समाचार तथा कहानी कथन प्रस्तुत किए गए, जिससे वातावरण ज्ञानवर्धक बना। मुख्य सत्र में संजय सोनी ने "कौशल बोध" विषय पर विचार रखते हुए शिक्षण में प्रस्तुतीकरण, संप्रेषण क्षमता, कक्षा प्रबंधन और विद्यार्थियों से सकारात्मक संवाद की महत्ता बताई। उन्होंने आधुनिक शिक्षण तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया। वहीं जयपाल जी ने अशुद्धि शोधन सत्र में शुद्ध वर्तनी और सही भाषा प्रयोग पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शिक्षकों को निरंतर सीखने और नवीन विधियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभी शिक्षकों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रोहतक। वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि पंडित नेकी राम शर्मा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सांगवान।

वार्षिक समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया

सांपला। शनिवार को सर छोटू राम राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित नेकी राम शर्मा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सांगवान रहे। उन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । उन्होंने व कालेज प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नैतिक मूल्यों व अनुशासन जीवन में सफलता दिलाता है। उन्होंने कहा पुरस्कार केवल सम्मान नहीं होते, बल्कि यह आपकी मेहनत का परिणाम और भविष्य के लिए प्रेरणा भी होते हैं । जो विद्यार्थी आज पुरस्कार प्राप्त नहीं कर सके, वह निराश न हो। असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है। निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास से आप भी निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसकी सभी उपस्थित अभिभावकों ने सराहना की।

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी स्पेशल कोचिंग
IIT-JEE | NEET | NDA
6th to 12th Class & Board
ADMISSION OPEN
MEGA SEMINAR
&
SCHOLARSHIP TEST
12 April Sunday 11 am
1 WEEK FREE TRIAL CLASS BEFORE ADMISSION
100% SCHOLARSHIP FREE SCHOOLING
KOTA CLASSES
144-L Model Town Near CR Polytechnic College, Rohtak M. 97285-44433

बेस्ट एथलीट को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

किशोरी कॉलेज की एथलेटिक मीट में दीपांशी बनीं बेस्ट एथलीट, किरण रहीं किशोरी ऑफ द ईयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का समापन समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने कौशल, अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि वाइस प्रेसिडेंट, बेनिस फाउंडेशन मोनिका बेनीवाल रहीं। उनके साथ स्वीटी जात्यान (ट्रस्टी) एवं अंकिता (कोऑर्डिनेटर) सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। जाट एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान गुलाब सिंह दीमाना तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर एमएस हुड्डा , डॉ. शमशेर सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। एथलेटिक्स मीट की शुरुआत 100 मीटर दौड़ से हुई, जिसमें दीपांशी ने प्रथम, किरण ने द्वितीय तथा प्राची ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जो इस आयोजन की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहा। इसके साथ ही छात्राओं ने योग एवं जिम्नास्टिक का आकर्षक प्रदर्शन किया तथा रिले रेस में भी अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया, जिससे कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्राओं को खेलों के महत्व के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अपनी संस्था 'बेनिस फाउंडेशन' के कार्यों एवं उद्देश्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और छात्राओं को समाज सेवा के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। प्रधान गुलाब सिंह दीमाना जी ने छात्राओं का उत्साह वर्धन किया।

रोहतक। खिलाड़ी को सम्मानित करते जाट एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान गुलाब सिंह दीमाना।

राष्ट्रगान के साथ आयोजन का हुआ समापन

इस दो दिवसीय एथलेटिक्स मीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बीपीएड की छात्रा दीपांशी को बेस्ट एथलीट घोषित किया गया, जबकि दृष्टि को बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया। बेस्ट एथलीट को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र, मेडल, पुरस्कार राशि एवं कॉलेज ध्वज प्रदान किया गया, जो इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. मुकेश गोयत, डॉ. मनीषा सैनी, डॉ. मनीषा हुड्डा, ज्योति, संगीता एवं डॉ. सोनिया सहित आयोजन समिति का विशेष योगदान रहा। जाट शिक्षण संस्थान के उप-प्रधान धर्मराज, जनरल सेक्रेटरी नवदीप एवं स्टाफ के सभी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ इस सफल एवं प्रेरणादायक समारोह का समापन हुआ।

महम। अनाज मंडी महम में फसल खरीद प्रबंधों का जायजा लेते इनेलो जिला अध्यक्ष नफे सिंह लाहली व अन्य पार्टी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

इनेलो जिला अध्यक्ष ने महम मंडी का किया दौरा

महम। शनिवार को इनैलो जिला अध्यक्ष नफे सिंह लाहली ने महम अनाज मंडी का दौरा कर किसानों की समस्याएं जानी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की केवल एक ही मंशा है कि किसान खेती करना छोड़ दे और अपनी जमीन को पूंजीपतियों को बेच दे। इसीलिए सरकार ने फसल खरीद को लेकर ऐसी शर्तें रखी हैं जो कि किसान के लिए जी का जंजाल बन गई हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि इनेलो किसानों के साथ है और सरकार ने इन किसान विरोधी नए नियमों को वापिस नहीं लिया तो इनेलो पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरेगी। नफे सिंह लाहली ने कृषि मंत्री के बयान कि निंदा करते हुए कहा कि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा अनापशनाप बयानबाजी कर रहे हैं। वे किसानों की समस्याओं से अवगत नहीं हैं। इस अवसर पर उनके साथ डॉक्टर देवेंद्र सहारण, पार्टी प्रवक्ता संदीप नेहरा, हलका अध्यक्ष वेद भराण, जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट विपिन बल्हारा, युवा अध्यक्ष पवन सिवाच, राजेश फरमाना, अभिमन्यु खरकड़ा आदि रहे।

हर वार्ड में मूलभूत दिक्कतें एक जैसी सीवरेज, पानी, टूटी सड़कें और सफाई व्यवस्था बदहाल

समस्या अलग-अलग वार्डों की पर एक जैसा दर्द निगम गठन के 16 साल बाद भी कराह रहा रोहतक

सभी वार्डों के पार्षदों ने बताई जमीनी हकीकत शहर के समग्र विकास पर उठे गंभीर सवाल

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। रोहतक को 17 मार्च 2010 को नगर पालिका से नगर निगम का दर्जा मिला था। करीब 16 वर्षों के दौरान शहर के विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी चिंताजनक है। सभी वार्डों में अलग-अलग समस्याएं हैं, लेकिन सबका 'दर्द' एक जैसा है। कुछ विकास कार्य तो हुए, पर इसके साथ नई समस्याएं भी सामने आ गईं। सीवरेज जाम, पेयजल की कमी, टूटी सड़कें, जलभराव, कच्ची नालियां और सफाई व्यवस्था जैसी मूलभूत समस्याएं लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही हैं। नगर निगम की बैठकों में पार्षद इन मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं, लेकिन समस्याएं जस की तस हैं। सभी वार्डों के पार्षदों से बातचीत में सामने आया कि हर वार्ड में एक जैसी समस्याएं समग्र विकास पर सवाल खड़े करती हैं। अब निगम की अगली बैठक में पार्षद फिर यही मुद्दे उठाएंगे।

अलग खबर

करोड़ों रुपये का बजट, फिर भी विकास के सभी वादे रहे अधूरे

वार्ड-1 : जाम व सड़कों पर गंदा पानी

सीवरेज व्यवस्था सबसे बड़ी परेशानी है, जहां लाइनें बार-बार जाम हो जाती हैं और गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है। लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा गलियों की हालत भी खराब है, कई जगह इंटरलॉकिंग टूट चुकी है और मरम्मत नहीं हो पा रही। पेयजल की सप्लाई भी अनियमित है, लोगों को रोजाना पानी के लिए जूझना पड़ता है। -अक्षय कुमार, पार्षद

वार्ड-2 : पानी का गंभीर संकट

पानी की समस्या काफी गंभीर है। कॉलोनियों में पर्याप्त पेयजल नहीं पहुंच पा रहा। नालियां कच्ची होने के कारण गंदगी फैलती रहती है और बरसात के समय हालात और बिगड़ जाते हैं। सामुदायिक केंद्र की कमी भी महसूस की जा रही है। -आशा लता, पार्षद

वार्ड-3 : टूटी सड़कें

टूटी सड़कों की समस्या लंबे समय से बनी है, जिससे आवाजाही प्रभावित होती है। सीवरेज ओवरफ्लो होने के कारण सड़कों पर गंदा पानी जमा रहता है, जो स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। इसके अलावा स्ट्रीट लाइटों की कमी के कारण रात के समय अंधेरा रहता है सुरक्षा की चिंता। -ज्योति, पार्षद

वार्ड-4 : जलभराव से परेशानी

बारिश में जलभराव बड़ी समस्या बन जाता है, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। वहीं प्रॉपर्टी आईडी में गड़बड़ियों के कारण लोगों को निगम के चक्कर काटने पड़ रहे हैं और समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। -रिंकू नागर, पार्षद

वार्ड-5 : सीवरेज सिस्टम फेल

सीवरेज सिस्टम लगभग फेल हो चुका है, जिससे जगह-जगह गंदा पानी भर जाता है। वोट के समय कुछ कॉलोनियों में जाते है तो हर कार्य करने का जिम्मा लेते है, लेकिन सत्ता आते ही वह कॉलोनी अवैध हो जाती है जो कि बड़ी समस्या है। -सुरेश चंद्र , पार्षद

वार्ड-6 : बढ़ रही गंदगी

वार्ड में स्वास्थ्य केंद्र की कमी के कारण लोगों को इलाज के लिए दूर जाना पड़ता है। कच्ची नालियों से लगातार बदबू आती है और सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। कूड़ा उठान नियमित न होने से गंदगी बढ़ती जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। वार्ड अनके समस्याए हैं। -नीरा भटनागर,

वार्ड-7 : रात में अंधेरा

कई गलियों का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। सीवरेज लाइनें पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं, जो बार-बार जाम हो जाती हैं। स्ट्रीट लाइट खराब होने से रात के समय अंधेरा रहता है। -कपिल नागपाल, पार्षद

वार्ड-8 : पेयजल की समस्या

यहां पेयजल की समस्या रहती है कई बार घरों में दूषित पेयजल आता है। नालियां अक्सर ओवरफ्लो करती रहती हैं, जिससे सड़कों पर गंदगी फैलती है। इसके अलावा पार्कों की हालत भी खराब है और उनका रखरखाव सही तरीके से नहीं हो रहा। यह मुद्दा भी उठाया जाएगा। वार्ड में और भी कई समस्याएं हैं। -अंजू सैनी, पार्षद

वार्ड-9 : नहीं कोई समाधान

पूर्व पार्षद सुनील कुमार और स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां समस्याओं को अभी तक समाधान नहीं हो पाया है। पूरे वार्ड में पीने के पानी की दिक्कत है। एक समय लोगों को मुश्किल से पानी मिल पाता है। कई सड़कें टूटी पड़ी हैं। स्ट्रीट लाइट की जरूरतें हैं। भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कहां जाएं।

वार्ड-10 : आने-जाने में परेशानी

वार्ड में सड़कों पर जलभराव आम समस्या बन गई है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। ज्यादातर जगह इन समस्याओं के कारण क्षेत्र में रहने वाले लोग काफी परेशान हैं और समाधान की मांग कर रहे हैं। -मनीषा नांदल , पार्षद

वार्ड-11 : अनियमित सप्लाई

यहां सड़कों की हालत बेहद खराब है और कई जगह गड्ढे बने हुए हैं। पानी की सप्लाई अनियमित है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। नालियों की सफाई समय पर नहीं होने से गंदगी और बदबू फैल रही है। -प्रिक्षित देशवाल, पार्षद

वार्ड-12 : प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटियां

सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या इस वार्ड में आम है, जिससे सड़कों पर गंदा पानी भर जाता है। प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटियों के कारण लोगों को दिक्कत हो रही है। स्ट्रीट लाइट की कमी से रात में अंधेरा रहता है। जिससे चोरी की घटनाएं बढ़ रही। -सुशील नांदल, पार्षद

वार्ड-13 : कच्ची गलियां

यहां कई गलियां अब भी कच्ची पड़ी हुई हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। पानी की समस्या लगातार बनी हुई है और कूड़ा प्रबंधन भी सही नहीं है। क्षेत्र में गंदगी बनी रहती है। -कृष्णा, पार्षद

वार्ड-14 : स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं

वार्ड में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है, जिससे लोगों को इलाज के लिए दूर जाना पड़ता है। सीवरेज जाम रहने से गंदा पानी सड़कों पर बहता है। सड़कें जर्जर हालत में हैं और मरम्मत की जरूरत है। जिससे वाहन चालकों को राहत मिल सके। -कंचन,पार्षद

वार्ड-15 : स्ट्रीट लाइट नहीं

यहां पेयजल संकट गहरा गया है और लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। नालियों की सफाई नियमित नहीं होने से गंदगी फैलती है। स्ट्रीट लाइट खराब होने से रात में परेशानी होती है। -अनिता, पार्षद

वार्ड-16 : सीवरेज सिस्टम कमजोर

वार्ड में जलभराव की समस्या बनी रहती है, खासकर बारिश के दौरान। सड़कें टूटी हुई हैं और सीवरेज सिस्टम भी कमजोर है। इन समस्याओं के कारण लोगों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। -मुक्ता, पार्षद

वार्ड-17 : सामुदायिक केंद्र नहीं

यहां सामुदायिक केंद्र की कमी के कारण लोगों को कार्यक्रम आयोजित करने में परेशानी होती है। सीवरेज जाम रहता है और सफाई व्यवस्था भी खराब है। इससे क्षेत्र में रहने वाले लोग असंतुष्ट हैं। -डिंपल जैन, पार्षद

वार्ड-18 : कच्ची नालियां

इस वार्ड में पानी की सप्लाई पर्याप्त नहीं है और लोगों को परेशानी होती है। नालियां कच्ची होने से गंदगी फैलती है और सड़कें भी खराब हालत में हैं। इन समस्याओं के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। -बेबी रानी,पार्षद

वार्ड-19 : सीवरेज ओवरफ्लो

सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या यहां आम है, जिससे सड़कों पर गंदा पानी जमा हो जाता है। प्रॉपर्टी आईडी की समस्याएं भी लोगों को परेशान कर रही हैं। स्ट्रीट लाइट खराब होने से रात में अंधेरा रहता है। - विजय कुमार गोयल, पार्षद

वार्ड-20 : सफाई का अभाव

वार्ड में जलभराव की समस्या लगातार बनी हुई है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। सड़कें टूटी हुई हैं और सफाई व्यवस्था भी कमजोर है। इन समस्याओं के समाधान की मांग लगातार की जा रही है। -प्रवीण कौशिक, पार्षद

वार्ड-21 : सीवरेज जाम

यहां पानी की कमी बड़ी समस्या है और लोगों को पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलती। नालियों की सफाई नहीं होने से गंदगी फैलती है। सीवरेज जाम होने से हालात और खराब हो जाते हैं। -बिजेंद्र सिंह,पार्षद

वार्ड-22 : नहीं उठ रहा कूड़ा

इस वार्ड में सड़कें जर्जर हालत में हैं और सीवरेज सिस्टम भी खराब है। कूड़ा उठान में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे गंदगी बढ़ रही है। इन समस्याओं के कारण लोगों में रोष बना हुआ है। -सुमन, पार्षद

हर वार्ड की एक ही कहानी, टूटे सीवर व सड़कें नहीं है पानी

- रोहतक के 22 वार्डों में समस्याओं की तस्वीर एक जैसी है। सबसे अधिक शिकायत सीवरेज जाम और ओवरफ्लो की है, जो वार्ड 1, 3, 5, 7, 12, 14, 17, 19, 21 और 22 में आम है। सड़कों पर गंदा पानी, बदबू और बीमारियों का खतरा बना रहता है।
- पेयजल की कमी और दूषित पानी की समस्या वार्ड 1, 2, 7, 8, 11, 13, 15, 18 और 21 में लोगों को रोजाना परेशान कर रही है।
- टूटी-जर्जर सड़कें वार्ड 1, 3, 5, 11, 14, 16, 18, 20 और 22 में हादसों का कारण बन रही हैं। ■ स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी (वार्ड 6, 14)।
- जलभराव वार्ड 4, 10, 16 और 20 में बारिश के समय हालात बिगाड़ देता है। ■ प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी समस्याएं (वार्ड 4, 12, 19) में।
- नालियों की खराब स्थिति (वार्ड 2, 4, 6, 8, 13, 15, 18, 21) ■ कमजोर सफाई व्यवस्था (वार्ड 4, 6, 13, 17, 20, 22) गंदगी बढ़ा रही है।
- स्ट्रीट लाइट की कमी (वार्ड 3, 7, 12, 15, 19) से रात में सुरक्षा प्रभावित होती है। ■ सामुदायिक केंद्रों का अभाव (वार्ड 2, 17) में है।

बाबा मस्तनाथ विवि को स्पेशल बीएड के चार कार्यक्रमों की स्वीकृति मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों के निर्माण में निभाएगा अहम भूमिका

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय ने विशेष एवं समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय को नई दिल्ली स्थित भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा आईएसआईटीईपी के अंतर्गत चार वर्षीय स्पेशल बी.एड. के चार कार्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति मिली है। यह पहल विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विवि के कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि आरसीआई ने विश्वविद्यालय को इंटीग्रेटेड स्पेशल एंड इन्क्लूसिव टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के तहत चार विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मंजूरी दी है। इनमें बौद्धिक दिव्यांगता और श्रवण बाधिता से जुड़े अलग-अलग शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम शामिल हैं, जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए दक्ष और संवेदनशील शिक्षकों का निर्माण करेंगे। इस स्वीकृति के साथ ही बाबा मस्तनाथ विवि अब उन अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है, जो समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल विषयगत ज्ञान मिलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहारिक प्रशिक्षण, पुनर्वास प्रक्रियाओं की समझ और आधुनिक समावेशी शिक्षण पद्धतियों का भी अनुभव कराया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप

महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि यह पहल दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप है, जिनमें प्रत्येक बच्चे को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, यह कार्यक्रम देश में विशेष शिक्षकों की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी सहायक साबित होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.एम. यादव और रजिस्ट्रार विनोद कुमार ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के सफल संचालन के लिए आधुनिक अधोसंरचना, उन्नत शिक्षण प्रयोगशालाएं और सहायक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

हरिओम मित्तल भाली प्रदेश उप महामंत्री नियुक्त किए

रोहतक । अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा ने संगठन विस्तार करते हुए विभिन्न व्यक्तियों को दायित्व दिए हैं इसी कड़ी में वरिष्ठ भाजपा नेता व अग्रवाल वैश्य समाज के वरिष्ठतम नेता हरिओम मित्तल भाली को प्रदेश उप महामंत्री नियुक्त किया है।

- अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा ने किया संगठन का विस्तार

हरिओम मित्तल संगठन के प्रारंभिक समय से ही जुड़े हुए हैं मित्तल वैश्य कॉलेज के छात्र संघ अध्यक्ष के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय वर्ष शिक्षित कार्यकर्ता रहे हैं। आजकल मित्तल के पास भाजपा के जिला प्रशिक्षण संयोजक का महत्वपूर्ण दायित्व है। अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए हरिओम मित्तल भाली ने कहा कि मुझ पर रखे गए विश्वास पर खरा उतरूंगा। संगठन के कार्य-विस्तार व समाज के कल्याण हेतु आवश्यक कार्यो को निष्पादित करने में जो सहयोग अपेक्षित होगा, उसे पूरा किया जाएगा।

एमडीयू में सेनेटरी पैड मामले में पंचायत एसपी से मिलने पहुंची

- दोषी श्याम सुंदर को बहाल करना शर्म की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीयू में महिला सफाई कर्मचारी सेनेटरी पैड मामले में महापंचायत एसपी से मिलने पहुंची। महापंचायत ने एसपी को बताया कि आज भी दोषी खुले घूम रहे हैं, महिला आयोग ने सिंगर बादशाह पर टटीरी गाने के विवाद में उस पर सख्त कार्रवाई की, लेकिन इन महिलाओं के साथ तो खुलेआम इतनी निंदनीय हरकत हुई है, और किसी भी दोषी की गिरफ्तारी तो दूर बल्कि पुलिस प्रशासन की एसआईटी टीम ने उनको निर्दोष साबित कर दिया और एमडीयू प्रशासन ने एक दोषी श्याम सुंदर को तो बहाल भी कर दिया है, यह भी शर्म की बात है।

महापंचायत ने मांग की कि जल्द इस मामले में इन महिलाओं को न्याय दिया जाए, नहीं तो समस्त समाज के लोग इन महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए इनके सम्मान के लिए सड़कों पर उतरेंगे। छात्र नेता दिनेश कांगड़ा ने कहा की महिलाएं किसी एक समाज की नहीं होती यह समस्त समाज की महिलाएं हैं और आज इनके सम्मान की बात है, इसलिए हम चुप नहीं बैठेंगे और समस्त समाज के लोगों को भी इनको न्याय दिलाने के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर वाल्मीकि तीर्थ रामसरोवर सेवा ट्रस्ट के प्रधान जोगिंदर पवार, मारोधी गांव के सरपंच अनूप वाल्मीकि, ककराना गांव के सरपंच राकेश,राजन बोहत, राजेश बोहत, एकलव्य छात्र संगठन के अध्यक्ष दीपक बोहर, भगवान वाल्मीकि धर्मशाला समिति के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पहला विकल्प कन्हैली पुल के साथ और दूसरा जेल रोड सुनारियां

कोर्ट कॉम्पलेक्स के निर्माण पर अब अंतिम फैसला लेगी हाईकोर्ट की कंस्ट्रक्शन कमेटी

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

शहर में प्रस्तावित नए कोर्ट कॉम्पलेक्स के निर्माण को लेकर तस्वीर अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए अंतिम निर्णय हाईकोर्ट की कंस्ट्रक्शन कमेटी द्वारा लिया जाएगा, जो विभिन्न संभावित स्थलों की तकनीकी और व्यावहारिक रिपोर्ट के आधार पर अपना फैसला सुनाएगी। नए कोर्ट कॉम्पलेक्स के लिए पहला विकल्प कन्हैली पुल के साथ और दूसरा जेल रोड सुनारियां हो सकता है। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की टीम ने कन्हैली पुल के निकट महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई बाउंड्री के अंदर से मिट्टी के नमूने लिए हैं।

इन सैंपलों का उद्देश्य जमीन की भार वहन क्षमता की जांच करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रस्तावित स्थल बड़े न्यायिक परिसर के निर्माण के लिए उपयुक्त है या नहीं। जल्द ही सेक्टर 22 जेल रोड सुनारियां से भी मिट्टी के सैंपल लिए जा सकते हैं।सैंपल लेकर उनकी जांच कराई जा रही है। हाईकोर्ट कंस्ट्रक्शन कमेटी इन सभी रिपोर्ट्स, स्थान की उपलब्धता, पहुंच, भविष्य के विस्तार और जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्णय लेगी।

यूनिवर्सिटी की जमीन को लेकर सवाल

यूनिवर्सिटी परिसर की भूमि को लेकर फिलहाल शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी संगठन की तरफ से काफी प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन छात्र संगठनों ने इस मुद्दे पर अपनी आपत्ति दर्ज करानी शुरू कर दी है। इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप देशवाल ने विश्वविद्यालय की जमीन पर कोर्ट कॉम्पलेक्स बनाए जाने का विरोध जताया है। उनका कहना है कि यह भूमि शिक्षा और अनुसंधान के लिए आरक्षित है, ऐसे में इसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए किया जाना उचित नहीं होगा।

सुनारियां भी है विकल्प: दूसरी ओर, प्रशासन ने सुनारियां क्षेत्र में जेल रोड पर सेक्टर-22 के पास स्थित जमीन को भी एक वैकल्पिक स्थल के रूप में चिन्हित किया है। इस क्षेत्र की भूमि का निरीक्षण किया जा चुका है। जल्द ही वहां से भी मिट्टी के नमूने लेकर परीक्षण किया जाएगा। हालांकि इस साइट को लेकर एक बड़ी चुनौती इसकी दूरी है। यह स्थान शहर के मुख्य हिस्से से काफी दूर है, जिससे आवागमन में असुविधा हो सकती है।

तकनीकी जांच बाद होगा निर्णय: लोक निर्माण के अधिकारियों के मुताबिक किसी भी बड़े निर्माण से पहले भूमि की भार वहन क्षमता, जलस्तर, मिट्टी की गुणवत्ता और भूकंपीय प्रभाव जैसे पहलुओं की गहन जांच अनिवार्य है। इसी प्रक्रिया के तहत दोनों संभावित स्थलों से

लघु सचिवालय भी करना पड़ेगा शिफ्ट

शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए प्रशासन अब बड़े कदम की तैयारी में है। शहर के बीचों-बीच स्थित लघु सचिवालय को शिफ्ट करने की योजना पर काम शुरू हो गया है। प्रस्ताव है कि जहां नया कोर्ट कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा, वहीं पर जिला प्रशासन का नया डीसी ऑफिस भी स्थापित किया जा सकता है। क्योंकि दोनों कॉम्पलेक्स एक साथ ही होते हैं। मौजूदा समय में लघु सचिवालय शहर के व्यस्त इलाके में स्थित है, जहां हर रोज भारी संख्या में लोग अपने कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इसके चलते आसपास की सड़कों पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। कोर्ट कॉम्पलेक्स और डीसी ऑफिस को एक ही परिसर में विकसित करने से आम लोगों को भी सुविधा मिलेगी।

पोस्टर प्रतियोगिता से बच्चों को मिला दंत स्वास्थ्य का संदेश

रोहतक । पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता को सम्मानित करते सेक्टर-3 स्थित पॉलीक्लिनिक की दंत चिकित्सक डॉ. पूर्णिमा अरोड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत दंत स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को सेक्टर-3 स्थित पॉलीक्लिनिक की दंत चिकित्सक डॉ. पूर्णिमा अरोड़ा ने राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में दंत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस पहल को सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को दांतों की स्वच्छता, नियमित जांच और संतुलित खानपान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सभी बच्चों के दांतों की जांच कर जरूरतमंदों को आगे के उपचार के लिए पॉलीक्लिनिक रेफर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ए हैप्पी माउथ इज ए हैप्पी लाइफ विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता रही। बच्चों ने रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से दंत स्वास्थ्य का संदेश बड़े ही आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में इक्षा ने प्रथम, आस्था ने द्वितीय और कविता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ मुंह ही खुशहाल जीवन की असली नींव है।

विशेष: विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

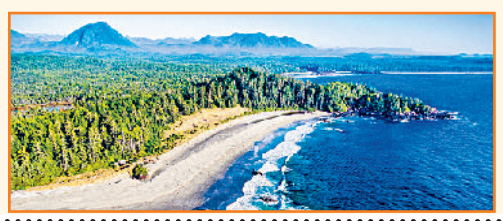

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

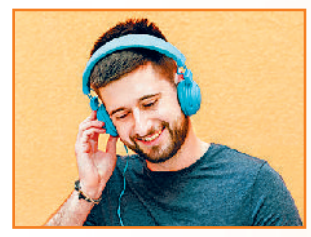

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *